

राजस्थान लोक अदालत
अभियान व्यापक आपके द्वार 2016
कैम्प. सीमोनपुर

16/5/16

पुनर्वनी केरु दुर्ग। पुनर्वनी के लिंगम रिनाई
एवं प्राणिक का अथर्वनाम किम्वदन्ती
प्राथमिक फल अन्तर्गत धारा 128 LRA Act 1956

वाकत सीमा विवाद की प्रकृति गरीबों
 के प्रकार के अवलोकन से स्पष्ट होता है
 कि सापलाग अतरकौर, नन्दराम, रामेश जीनी
 द्वारा गैर सापल लक्ष्मीनारायण हिण्डौन को वना
 गदा है। राज्य रिकार्ड जम्मेदार सन्वत् 2067
 नं० १०६० चंपारण लखाना नं० 78 के खि० नं०
 १०४, १११ में सापलाग 1/8 हिस्से के (वाले) हैं
 हैं। जितने स्पष्ट होता है कि अन्तःसंपुष्ट
 (वाले) हैं। जिन्हें मूल प्राप्त प्यारा
 128 ~~RTA~~ ^{LRA} गैर सापलाग वना गदा
 आवरण धारि अतः प्रकरण के सापल
 प्रकृत रूप लक्ष्मीनारायण RTA प्यारा 53 के
 तहत कार्यवाही अन्तःसंपुष्ट के अन्तःसंपुष्ट प्यारा
 128 B.RA की कार्यवाही अन्तःसंपुष्ट लक्ष्मीनारायण
 सकती है अतः प्रकरण निरस्त किन्तु
 जाकर कार्यवाही टोप की जाती है। प्यारा
 कि सब सुभा शेष नम्बरा से कम की जाये।
 निर्णय लुले जापान के राज्यलक्ष्मी
 अन्तःसंपुष्ट के सुभा गदा

[Handwritten Signature]

उपखण्ड अधिकारी
 हिण्डौन